बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

ekfld izfrosnu

अगस्त 2018

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k

¼vkink izca/ku foHkkx] fcgkj ljdkj½

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

fo"k; lwph — i`t u-

(A) vfHk;ks:rkvksa@okLrqfonksa@lsonksa@jkt fefL=;ksa dks HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lEcaf/kr izf'k{k.k — 1&2

(B) i¨[kMa fodkl inkf/kdkfj;ksa ,oa vapy vf/kdkfj;ksa dk ^^vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku** ij izf'k{k.k dk;Øe — 3

(C) eq[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;Øe — 4&7

(D) ukfodksa ,oa uko ekfydksa izf'k{k.k — 8&9

(E) uksdkvksa ds fuca/ku gsrq fuca/kdksa@lo{kdksa dk izf'k{k.k — 10

(F) **Black Spots/**nq?kZVuk izo.k {ks=ksa esa tkx#drk ,oa izpkj&izlkj gsrq dkjZokbZ — 11

(G) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij iapk;r izfrfuf/k;ksa dk izf'k{k.k dk;Øe — 12&14

(H) fcgkj HkwdEiekih ra= dk izxfr fooj.k — 15

(I) fcgkj iqfyl lsok ds inkf/kdkfj;ksa ds vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij izf'k{k.k gsrq **"Training Need Assesment"** dk;Z'kkyk — 16

(J) **Mass Messaging/Whatsapp Advisory** — 17

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

iVuk esa jktfefL=;ksa dk HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lacaf/kr izf'k{k.k

ekfld izfrosnu ¼vxLr] 2018½

(A) vfHk;arkvksa@okLrqfonksa@laosndksa@jktfefL=;ksa dk HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lacaf/kr izf'k{k.k

¼1½ जुलाई 2018 तक dqy 646 jktfefL=;ksa को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

अगस्त 2018 में दिनांक 06 से 12 अगस्त 2018 के दौरान पटना जिला के दस प्रखण्डों (मनेर, बिहटा, नौबतपुर, बिक्रम, दुल्हिन बाजार, पालीगंज, सम्पतचक, पुनपुन, मसौढ़ी एवं धनरूआ) में 276 राजमिस्त्रियों एवं दिनांक 24 से 30 अगस्त 2018 के दौरान जिला के अन्य नौ प्रखण्डों (फतुहा, दनियावां, खुसरूपुर, बख्तियारपुर, बेलची, अथमलगोला, बाढ़, पंडारक एवं मोकामा) में 252 राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया।

(2) जनवरी 2017 से जून 2018 तक कुल मिलाकर 1022 अभियंताओं को प्रशिक्षित किया गया था। जुलाई माह में अभियंताओं का प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया जा सका था। अगस्त माह में दिनांक 28 से 31 अगस्त 2018 को वैशाली जिला के 39 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

इस प्रकार अगस्त 2018 तक dqy 646$276$252=1174 jktfefL=;ksa को एवं 1022$39=1061 vfHk;arkvksa को प्रशिक्षित किया गया है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

vfHk;rkvk dk if'k{k.k

vxLr 2018 e lpkfyr dk;Øek dk fooj.k				
Sr.	**Name of Program**	**Date**	**Location**	**Remarks**
4 days Engineers Training_Distt:- Vaishali				
1.	4 days Engineers Training district : Vaishali	28-31 August 2018	BSDMA, Patna	No. of Engineers trained: 39

7 days block level mason training at Patna District during 06-12 August 2018 & 24-30 August 2018			
2.	**Name of Block**	**Training**	**No. of mason trained**
1.	Maner	06-12 August 2018	30
2.	Bihta	06-12 August 2018	26
3.	Naubatpur	06-12 August 2018	30
4.	Bikram	06-12 August 2018	30
5.	Dulhin Bazar	06-12 August 2018	28
6.	Paliganj	06-12 August 2018	28
7.	Sampatchak	06-12 August 2018	21
8.	Punpun	06-12 August 2018	24
9.	Masaurhi	06-12 August 2018	30
10.	Dhanarua	06-12 August 2018	29
11.	Fatuha	24-30 August 2018	27
12.	Daniawan	24-30 August 2018	29
13.	Khusrupur	24-30 August 2018	29
14.	Bakhtiyarpur	24-30 August 2018	30
15.	Athmalgola	24-30 August 2018	25
16.	Barh	24-30 August 2018	30
17.	Belchhi	24-30 August 2018	22
18.	Pandarak	24-30 August 2018	30
19.	Mokama	24-30 August 2018	30
Total No. of Mason Trained in August 2018			**528**

(B) i[kM fodkl inkf/kdkfj;k ,o vpy vf/kdkfj;k dk ^^vkink tkf[ke U;uhdj.k ,o ic/ku** ij if'k{k.k dk;Øe %&

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक दिनांक 13.06.2018 में प्राधिकरण को दिए गए निदेश के आलोक में बाढ़ प्रवण जिलों में नव पदस्थापित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारियों, जिन्हे आपदा प्रबंधन का अनुभव नहीं है, का प्रशिक्षण जुलाई माह से बिपार्ड में प्रारंभ किया गया। करीब 336 प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारियों को आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण हेतु चिन्हित किया गया है।

2. जुलाई माह में 50 प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं 38 अंचल अधिकारियों यानी कुल 88 पदाधिकारियें को प्रशिक्षित किया गया था। अगस्त माह में 29 प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं 35 अंचल अधिकारियों यानी कुल 64 पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। इस प्रकार अगस्त माह तक कुल 88+64=152 पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है।

3. अगस्त माह में हुए प्रशिक्षण का विवरण निम्नानुसार हैः–

fnukad	if'k{k.kkfFk;k dh l[;k		
	i[kM fodkl inkf/kdkjh	vpy vf/kdkjh	dy
17–18 अगस्त, 2018	17	21	38
28–29 अगस्त, 2018	12	14	26
dy	29	35	64

(C) e[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;Øe

1- jkT; ,o ftyk Lrjh; çf'k{k.k dk;Øe

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय गतिविधियों, यथा, प्रत्येक जिलों के मास्टर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (29 जनवरी से 19 अप्रैल) एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों के एक दिवसीय उन्मुखीकरण (14 मई से 19 मई) के पश्चात बिहार के जिलों में जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 21 मई से प्रारम्भ हुआ। सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया है।

अभी तक राज्य स्तर पर 605 मास्टर प्रशिक्षकों को प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित किया गया है एवं जिला स्तर पर प्रशिक्षित 4231 प्रशिक्षकों की सूची शिक्षा विभाग से प्राप्त हो चुकी है।

2- ç[kM Lrjh; çf'k{k.k

इस कार्यक्रम के तीसरे चरण के रूप में शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयवार फोकल शिक्षकों का प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अगस्त माह तक गोपालगंज और गया जिले को छोड़कर शेष 36 जिलों में संपन्न हो चुका है। गया जिले में प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का 5वां बैच चल रहा है जबकि गोपालगंज जिले में प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का चौथा बैच समाप्त हो चुका है। इस चरण में सभी विद्यालयों से एक–एक फोकल शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाना है।

अभी तक प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित हुए 14393 फोकल शिक्षकों की सूची शिक्षा विभाग से प्राप्त हो चुकी है।

3- l|d|y Lrjh; çf'k{k.k dk;Øe

इस कार्यक्रम के चौथे चरण में विद्यालयवार बाल प्रेरकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संकुल स्तर पर होना था। अगस्त माह तक 31 जिलों में संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ हो चुका है। 07 जिले जहाँ संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ नहीं हुआ है वे हैं औरंगाबाद, गया, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, सहरसा, सीतामढ़ी एवं सुपौल।
अभी तक 69376 बाल प्रेरकों को प्रशिक्षित किये जाने की जानकारी शिक्षा विभाग के माध्यम से प्राप्त हो चुकी है।

4- fo|ky;ksa esa lqjf{kr 'kfuokj dk fØ;kUo;u

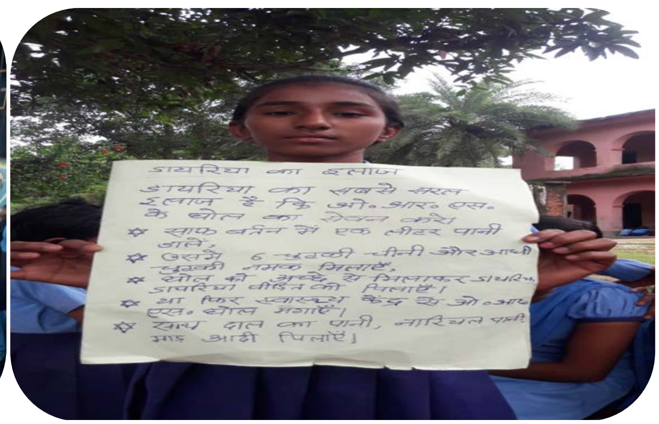

इस कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी के अनुसार प्रत्येक शनिवार को बाल प्रेरकों एवं फोकल शिक्षकों के माध्यम से विद्यालयों में आपदा सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम चलाना था। अभी तक 32 जिलों में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का क्रियान्वयन प्रारम्भ हो चूका है। शेष 06 जिले जहाँ विद्यालय स्तर पर यह कार्यक्रम प्रारम्भ नहीं हो पाया है वे जिले हैं– औरंगाबाद, गया, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, सहरसा एवं सीतामढ़ी।

सुरक्षित शनिवार के क्रियान्वयन दस्तावेज में वर्णित वार्षिक सारणी के अनुसार अगस्त माह के प्रथम शनिवार को बिहार के विभिन्न विद्यालयों में "पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय" के बारे में फोकल शिक्षकों एवं बाल प्रेरकों के द्वारा जानकारी दी गयी। अगस्त माह के दूसरे शनिवार को "बाढ़ से खतरे एवं बचाव के उपाय" के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। तीसरे शनिवार को "सांप, बिच्छू एवं अन्य विषैले जीव जन्तुओं के काटने से होनेवाली परेशानियां एवं समाधान" के बारे में जानकारी दी गयी। चौथे शनिवार को "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव" के सन्दर्भ में जानकारी दी गयी।

5- dk;Øe d vuJo.k d fy, MkVk ,Vh

इस कार्यक्रम के अनुश्रवण के लिए बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् के साथ मिलकर एक डाटा फॉर्मेट भी विकसित किया गया है जिसे Google Drive के माध्यम से सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी को भेजा गया है। इसमें विस्तृत तौर पर विद्यालयवार फोकल शिक्षकों एवं अन्य गतिविधियों का डाटा इकठ्ठा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम हेतु जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति का गठन प्रस्तावित है। समिति का गठन करने हेतु प्राधिकरण द्वारा सभी जिलों को पत्र भेजा गया है।

6- dk;Øe d vuJo.k gr ikVy dk fuek.k

चूँकि यह कार्यक्रम राज्य के सभी सरकारी एवं निजी प्राथमिक/मध्य विद्यालयों एवं मदरसों में नियमित रूप से संचालित किया जाना है, अतएव कार्यक्रम के अनुश्रवण हेतु यूनिसेफ के सहयोग से एक पोर्टल के निर्माण पर काम चल रहा है। इस पोर्टल पर फोकल शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु किए गए नवाचार एवं गतिविधियों को भी साझा करने की सुविधा रहेगी ताकि फोकल शिक्षक एक दूसरे से सीख सकें।

7- ljf{kr 'kfuokj 0gkVl vi xi

सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत प्रत्येक शनिवार विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों को एक दूसरे से साझा करने एवं सीखने–सीखाने के लिए व्हाट्स अप (whatsapp) ग्रुप बनाया गया है। फोकल शिक्षक एवं मास्टर प्रशिक्षक इस ग्रुप का भरपूर उपयोग कर रहे हैं।

(D) ukfodk ,o uko ekfydk dk if'k{k.k

प्राधिकरण द्वारा राज्य स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से चयनित 29 जिलों में जिला प्रशासन द्वारा आपदा प्रबंधन विभाग के वित्तीय सहयोग से नाविकों एवं नाव मालिकों को सुरक्षित नौका चालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा विकसित हस्त पुस्तिका सभी नाविकों एवं नाव मालिकों को उपलब्ध करायी गयी है एवं करायी जा रही है एवं प्रशिक्षण का अनुश्रवण किया जा रहा है। जिलों से प्राप्त सूचनानुसार गत माह जुलाई तक 19 जिलों के कुल 4369 नाविकों एवं नाव मालिकों को प्रशिक्षित किया गया था। माह अगस्त में 3 जिलों में कुल 282 नाविक एवं नाव मालिकों को प्रशिक्षण दिया गया। अगस्त माह के प्रशिक्षण का विवरण निम्नांकित हैः–

Øe la[;k	ftyk dk uke	if'kf{kr ukfodk ,o uko ekfydk dh la[;k
1.	सारण	160
2.	अररिया	39
3.	सिवान	83
	dqy	**282**

इस प्रकार अब तक कुल 4369 +**282**= 4651 नाविक/नाव मालिक प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। अनुश्रवण के दौरान सूचना प्राप्त है कि निम्नांकित 05 जिलों में भी प्रशिक्षण सम्पन्न हो चुका है, परन्तु प्रशिक्षितों की संख्या एवं विवरणी प्राप्त नहीं हो सकी है।

Øe l[;k	ftyk dk uke
1.	भोजपुर
2.	लखीसराय (एक बाढ़ प्रवण ब्लॉक को छोड़कर)
3.	गोपालगंज
4.	शेखपुरा
5.	शिवहर

शेष बचे दो जिलों में से सीतामढ़ी जिले में प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रम निर्धारित किया जा चुका है एवं नालंदा में प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित कर लेने हेतु जिला पदाधिकारी से अनुरोध किया गया है।

(E) ukSdkvksa ds fuca/ku gsrq fuca/kdksa@los{kdksa dk izf'k{k.k

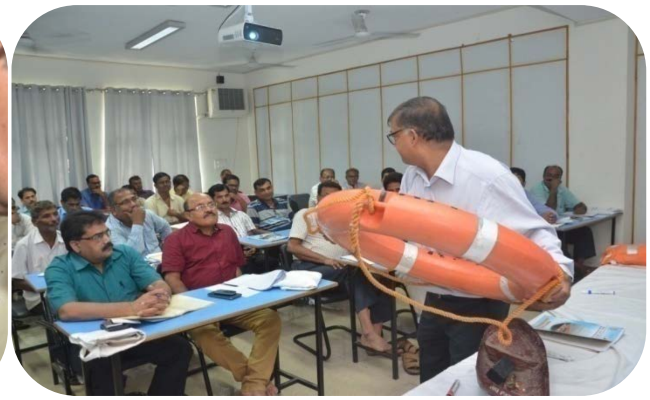

नौकाओं के सर्वेक्षण एवं निबंधन हेतु विभिन्न जिलों में आदर्श नौका नियमावली के प्रावधानों के अनुसार संबंधित जिला पदाधिकारियों द्वारा अधिसूचित निबंधकों/सर्वेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत गत जुलाई माह तक कुल 9 बैचों में 17 (अति बाढ़ प्रवण एवं बाढ़ प्रवण) जिलों के कुल 211 निबंधकों/सर्वेक्षकों का प्रशिक्षण NINI, (गायघाट, पटना) में कराया जा चुका है। वर्तमान माह अगस्त 2018 की प्रगति निम्नवत है:–

l= la[;k	frfFk	izf'k{k.k esa 'kkfey ftys	LFkku	dqy izf'kf{kr izf'k{kq
1.	1.08.2018 से 03.08.2018	खगड़िया	NINI गाय घाट, पटना	28
2.	08.08.2018 से 10.08..2018	बक्सर/खगड़िया		21
3.	29.08.2018 से 31.08.2018	बक्सर/दरभंगा/पश्चिम चम्पारण		22
		dqy		71

इस प्रकार अगस्त माह तक 20 जिलों के कुल 211+71= 282 निबंधकों/सर्वेक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(F) Black Spots/n?kVuk io.k {k=k es tkx#drk ,o ipkj&ilkj gsr dkjokbl %&

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सड़कों पर चिन्हित किये गये Black Spots/दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों में जन जागरुकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु कार्रवाई की योजना बनाने हेतु एक बैठक का आयोजन दिनांक 14.08.2018 को किया गया। इस बैठक में परिवहन विभाग, पुलिस (CID) ,पथ निर्माण विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया । बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अति दुर्घटना प्रवण जिलों यथा मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर में चयनित स्थलों पर जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु परिवहन विभाग द्वारा एक प्रचार वाहन उपलब्ध कराया जाएगा जिससे सड़क सुरक्षा नियमों के प्रचार–प्रसार हेतु लघु फिल्मों को समुदाय में दिखाया जाएगा। लघु फिल्मों के साथ–साथ इन स्थानों नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा के नियमों का नुक्कड़ नाटक टीम के द्वारा प्रचार–प्रसार किया जाएगा। इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन उल्लिखित विभागों के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों के समन्वयन में गठित टीम द्वारा किया जाएगा।

प्राधिकरण द्वारा तैयार किये गए सड़क सुरक्षा संबंधी (Do's and Don'ts) नियमों को परिवहन विभाग, जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से चिन्हित स्थानों पर पोस्टर्स एवं होर्डिंस लगाये जाएंगे।

बैठक में लिए गए निर्णयों पर संबंधित विभागों द्वारा अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

(G) vkink tkf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij iapk;r izfrfuf/k;ksa dk izf'k{k.k dk;ZdzeA

1- jkT; Lrjh; ekLVj Vªsuj dk izf'k{k.k

बिहार राज्य की बहु–आपदा प्रवणता के संदर्भ में पंचायत स्तर तक आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन संबंधी जनजागरूकता के उद्देश्य से सभी जिलों के प्रखंडों से चयनित मुखिया एवं सरपंचों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ''मास्टर ट्रेनर'' का प्रशिक्षण प्राप्त किये मुखिया एवं सरपंचों के माध्यम से जिलों में प्रखंड स्तर पर प्रखंडों के सभी मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य एवं पंचायत समिति के सदस्यों को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों द्वारा प्रशिक्षित किया जाना है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से जिलों में पंचायत स्तर तक जन समुदाय को बहु आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के संबंध में जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी और इसके द्वारा आपदाओं का सामना करने हेतु उनका क्षमतावर्धन हो सकेगा। इस प्रकार ''बिहार आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोड मैप 2015–2030'' के उद्देश्य के अनुरूप एक ''सुरक्षित बिहार'' के संकल्प को पूरा करने में मदद प्राप्त होगी।

जनवरी, 2018 में ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। जुलाई माह तक विभिन्न प्रखंडों के कुल 949 मुखिया/सरपंचों को मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण निम्नानुसार दिया जा चुका है:–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

ekg	ftyk dh la[;k	izf'kf{kr
जनवरी	01	35
फरवरी	09	191
मार्च	04	141
अप्रैल	03	92
मई	08	199
जून	07	169
जुलाई	06	122
dqy	38	949

माह अगस्त 2018 में राज्य स्तर पर मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण उन प्रखंडों के मुखिया/सरपचों को दिया गया जो पूर्व में अपने जिलों के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो पाए थे। आयोजित किये गये कार्यक्रम निम्नवत् हैं:–

de	fnukad	izfrHkkxh ftyk	izfrHkkfx;ksa dh la[;k
1	07–08 अगस्त 2018	भोजपुर, गया, शेखपुरा, बेगूसराय,औरंगाबाद, बक्सर, लखीसराय, नवादा, भागलपुर, जमुई, अररिया।	26
2	16–17 अगस्त 2018	पटना, औरंगाबाद, नवादा, मुंगेर, पूर्णिया, लखीसराय, वैशाली, सीतामढ़ी, बेगूसराय, गोपालगंज, भोजपुर।	21
		dqy	47

इस प्रकार अगस्त माह तक 27 बैचों में 38 जिलों के 949 + 47¾ 996 मुखिया एवं सरपंच का मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न किया जा चुका है। बिहार के सभी 38 जिलों के कुल 534 प्रखंडों से 1–1 मुखिया एवं सरपंच को मास्टर ट्रेनर के रुप में प्रशिक्षित करने के कुल लक्ष्य 1068 के विरुद्व अगस्त माह तक कुल 996 मुखिया/सरपंचों को प्रशिक्षित किया जा सका है क्योंकि शेष 1068–996 = 72 मुखिया/सरपंच कतिपय कारणों से प्रशिक्षण सभा में अनुपस्थित रहे।

2- jkT; Lrj ij izf'kf{kr ekLVj Vªsuj }kjk ftyk esa iz[kaM Lrjh; izf'k{k.k

पंचायती राज संस्थानों के जन प्रतिनिधियों के प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा जिलों को आवश्यक वितीय सहयोग दिया जा रहा है। अब तक निम्नांकित जिलों से प्रखंड स्तर पर जन प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किए जाने की सूचना प्राप्त हैः–

1. मधुबनी 2. मधेपुरा 3. दरभंगा 4. पूर्वी चम्पारण 5. सुपौल 6. पटना 7. सारण 8. सहरसा 9. सीतामढ़ी, 10. शिवहर 11. किशनगंज 12. नालंदा 13. सिवान 14. समस्तीपुर 15. मुजफ्फरपुर 16. वैशाली 17. बांका 18. जहानाबाद 19. कटिहार 20. पश्चिमी चम्पारण 21. बक्सर 22. अररिया।

उपर्युक्त जिलों से प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों के आँकड़े विहित प्रपत्र में प्राधिकरण को भेजने हेतु अनुरोध किया गया है एवं उन सभी जिलों से यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों का डाटा बेस तैयार कर जिला के वेबसाईट पर अपलोड किया जाय। अभी तक मात्र मधुबनी जिले से विहित प्रपत्र में प्रशिक्षण का ऑकड़ा प्राप्त हुआ है।

प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या निम्नवत् हैः–

Ø0 l0	ftyk dk uke	dqy cqpk dh l0	ftyk ifj"kn lnL; ¼iz[k.M {ks= esa izf'kf{kr dh l0½	iapk;r lfefr lnL; ¼iz[k.M {ks= esa izf'kf{kr dh l0½	eqf[k;k ¼iz[k.M {ks= esa izf'kf{kr dh l0½	ljiap ¼iz[k.M {ks= esa izf'kf{kr dh l0½	okMZ lnL; ¼iz[k.M {ks= esa izf'kf{kr dh l0½	iap ¼iz[k.M {ks= esa izf'kf{kr dh l0½	dqy izf'kf{krksa dh l0
1	e/kqcuh	120	56	539	371	378	5149	5127	11620

कतिपय अन्य जिलों से अधूरा ऑकड़ा प्राप्त हुआ था जिसे ठीक करने हेतु जिलों को भेजा गया है। शेष जिलों में प्रशिक्षण बजटीय राशि की अनुपलब्धता के कारण प्रारंभ नहीं हो सका है। राशि प्राप्त होने पर उन जिलों में भी प्रशिक्षण प्रारंभ कराया जाएगा।

(H) fcgkj HkdEiekih r= dk ixfr fooj.k

1. भूकम्प दूरमापी तंत्र का संग्रहण केन्द्र पटना विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित करने के संबंध में पटना विश्वविद्यालय एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच एक Memorandum of Understanding (MoU) हस्ताक्षरित किया जाना प्रस्तावित है। MoU प्रारूप पर विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ दिनांक 31.8.2018 को प्रारंभिक चर्चा हुई है।

2. 10 क्षेत्रीय वेधशालाओं में छः में निर्माण कार्य चल रहा है। अन्य चार में कतिपय तकनीकी कारणों से कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है।

3. क्षेत्रीय वेधशालाओं एवं संग्रहण केन्द्र का निर्माण होने पर मशीनों का क्रय एवं अधिष्ठापन किया जाएगा। प्राधिकरण द्वारा गठित उच्च स्तरीय तकनीकी समिति ने आवश्यक मशीनों का निर्धारण कर दिया है।

(I) fcgkj iqfyl lsok ds inkf/kdkfj;ksa dks vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij izf'k{k.k gsrq "Training Need Assessment" dk;Z'kkyk%&

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की 10वीं/11वीं बैठक में अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार बिहार प्रशासनिक सेवा एवं बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाना है। इनमें से बिहार प्रशासनिक सेवा के कुल 557 पदाधिकारियों को जुलाई माह तक आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षित कर लिया गया है। इसी क्रम में बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करने हेतु माड्यूल निर्माण एवं प्रशिक्षण पुस्तिका निर्माण की आवश्यकता के मद्देनजर उनके Training Need Assessment हेतु राज्य स्तर पर एक दिवसीय कार्यशाला बिहार पुलिस अकादमी के सहयोग से दिनांकः—10.08. 2018 को पटना में आयोजित की गयी।

इस कार्यशाला के दौरान समूह चर्चा एवं गहन विचार विमर्श के उपरांत बिहार पुलिस पदाधिकारियों के ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर प्रशिक्षण हेतु निम्नलिखित आवश्यकतायें उभर कर सामने आयीं:—

(1). प्राकृतिक आपदाओं में पुलिस की भूमिका।
(2). मानवजनित आपदाओं में पुलिस की भूमिका।
(3). भीड़ नियंत्रण/प्रबंधन में पुलिस की भूमिका।
(4). अंतर्संस्थानीय समन्वय में पुलिस की भूमिका।

तद्नुसार माड्यूल निर्माण एवं प्रशिक्षण पुस्तिका का विकास प्रगति पर है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(J) Mass Messaging/Whatsapp Advisory

अगस्त माह में प्राधिकरण द्वारा **सुखाड़** l: cpu: d: mik; पर लगभग छः लाख विभिन्न पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचों, वार्ड सदस्यों, सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद सदस्यों, आशा कर्मचारियों– 87 हजार, जीविका दीदी 1,47,000 (एक लाख सैतालीस हजार), आंगनबाड़ी सेविका–65,343,DM–38,ADM–38 आदि लोगों को Mass Messaging के द्वारा जागरूक किया गया।

<u>l|[kkM l: cpu: d: mik;</u>

अल्प वर्षापात से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए किसान भाई /बहनों को सलाह :

सुखाड़ रोधी एवं कम सिंचाई की आवश्यकता वाली फ़सलों,जैसे –मक्का,बाजरा,ज्वार की बुआई करें।

राज्य सरकार द्वारा घोषित डीज़ल अनुदान योजना का लाभ उठाएं।

कृषि विभाग द्वारा अल्प वर्षापात से निबटने हेतु तैयार की गई आकस्मिक फसल योजना का लाभ उठाए।

पशुओं के लिए पानी एवं चारे की व्यवस्था कर लें।

पानी की बर्बादी रोकें एवं जल का संचयन करें।

वर्षा एवं मौसम संबंधी सूचनाओं की जानकारी रेडियो /टीवी /अख़बारों से प्राप्त करते रहें।